आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–12 दिसंबर 2024 सान्ध्य समाचार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज दोपहर में प्रयागराज पहुंचे। उन्होंने महाकुंभ दो हजार पच्चीस का औपचारिक उद्घाटन और पांच हजार पांच सौ करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इस मौके पर हुई जनसभा में उन्होंने कहा कि महाकुंभ दो हजार पच्चीस एकता और समानता का ऐसा महायज्ञ होगा जो राष्ट्र का मार्गदर्शन करेगा। इसकी चर्चा पूरी दुनिया में होगी। श्री मोदी ने कहा कि प्रयागराज की पवित्र धरती पर महाकुंभ के दौरान एक नया इतिहास रचा जाएगा। प्रधानमंत्री ने प्रयागराज में प्रमुख मंदिर गलियारों का भी उद्घाटन किया । इनमें भारद्वाज आश्रम गलियारा, श्रृंगवेरपुर धाम गलियारा, अक्षयवट गलियारा और हनुमान मंदिर गलियारा शामिल हैं। उन्होंने गंगा नदी की ओर जाने वाले छोटे नालों को रोकने, टैप करने, मोड़ने और उपचारित करने संबंधी परियोजनाओं का उद्घाटन किया । प्रधानमंत्री ने कुंभ सहायक चैटबॉट का भी शुभारंभ किया जो महाकुंभ मेले के संबंध में श्रद्धालुओं का मार्गदर्शन करेगा। इससे पहले, उन्होंने संगम नोज, अक्षय वट वृक्ष, हनुमान मंदिर और सरस्वती कूप में पूजा–अर्चना की। उन्होंने कुंभ की व्यवस्थाओं को देखने के लिए संगम क्षेत्र में क्रूज की यात्रा की। प्रधानमंत्री ने महाकुंभ प्रदर्शनी स्थल का भी भ्रमण किया। प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री का प्रयागराज में स्वागत किया। महाकुंभ दो हजार पच्चीस का आयोजन प्रयागराज में तेरह जनवरी से छब्बीस फरवरी तक होगा। इस कुंभ में श्रद्धालुओं के लिए क्रूज सेवाएं भी उपलब्ध रहेंगी।

****

काशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण के तीन वर्ष पूरे होने पर आज वहां विविध आयोजन किये जा रहे हैं। धाम को फूलों और रंग बिरंगी रोशनी के माध्यम से सजाया गया है। वाराणसी के मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा और मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्रा की अगुवाई में आज दिन में वहां विशेष पूजा अर्चना की गई। इस मौके पर हुए धार्मिक अनुष्ठान और हवन यज्ञ के माध्यम से संपूर्ण राष्ट्र की खुशहाली और समृद्धि की कामना की गई। तीन वर्ष पहले आज ही के दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने काशी विश्वनाथ धाम का नये स्वरूप में लोकार्पण किया था।

****

झांसी जिले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी–एनआईए से धक्का मुक्की कर एक व्यक्ति को छुड़ाने के मामले में वहां की पुलिस ने महिलाओं समेत एक सौ दस लोगों पर मुकदमा दर्ज किया है। विदेशी फंडिंग और आतंकवादी संगठनों से जुड़े होने के शक में छापेमारी के बाद एजेंसी कल जब संदिग्ध व्यक्ति को पूछताछ के लिए साथ ले जा रही थी तो भीड़ ने धक्का मुक्की कर उसे छुड़ा लिया था। बाद में स्थानीय पुलिस के हस्तक्षेप से उससे पूछताछ की गई और छोड़ दिया गया ।

****

राष्ट्र आज उन सुरक्षाकर्मियों और शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर रहा है, जिन्होंने तेईस साल पहले तेरह दिसंबर दो हजार एक को आतंकवादी हमले के दौरान संसद की रक्षा करते हुए अपनी जान गंवा दी थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया संदेश के जरिये उन सुरक्षाकर्मियों और शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की है। संसद के दोनों सदनों में भी संसद हमले के शहीदों को आज श्रद्धांजलि दी गई।

****

इस्राइल के कृषि वैज्ञानिक उरी रबीन्सटन ने बस्ती जिले में आज इण्डो–इस्राइल सेन्टर आफ एक्सीलेन्स फार मैंगो का भ्रमण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि प्रत्येक गांव में पांच मास्टर ट्रेनर तैयार किये जाएं। इससे इस्राइली सरकार के विशेषज्ञों के सुझाव के अनुसार केन्द्र पर संचालित विभिन्न नवीन औद्यानिक तकनीकियों का प्रचार प्रसार होगा और किसानों की आय बढ़ाई जा सकेगी।

****

सत्तर वर्ष से अधिक आयु के लोगों के लिए आयुष्मान वय वंदना कार्ड बनाने के मामले में वाराणसी जिला पूरे प्रदेश में सबसे आगे है। वहां के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ संदीप कुमार चौधरी ने बताया कि जिले में पैंतिस हजार सात सौ पैंतिस पात्र बुजुर्गों के कार्ड बनाये गये हैं। इस कार्ड के जरिये पांच लाख रुपये तक की निरूशुल्क उपचार की सुविधा देश के किसी भी पंजीकृत सरकारी और निजी अस्पताल में भर्ती होकर प्राप्त कर सकते हैं।

****

मौसम विज्ञान विभाग ने अगले चार दिनों में प्रदेश में कई स्थानों पर शीतलहर और कुछ स्थानों पर कोहरे को लेकर चेतावनी जारी किया है। विभाग द्वारा जारी दैनिक मौसम पूर्वानुमान बुलेटिन के अनुसार कल पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कई स्थानों पर शीतलहर चलेगी। प्रदेश के कुछ स्थानों पर यह शीतलहर पंद्रह दिसम्बर को भी चलने की चेतावनी जारी की गई है। विभाग के अनुसार सोलह दिसम्बर को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कई स्थानों पर शीतलहर चलेगी, जबकि पूर्वी उत्तर प्रदेश के तराई वाले इलाकों में देर रात और सुबह के समय घना कोहरा छाया रहेगा। इन क्षेत्रों में कोहरे का यह असर सत्रह दिसम्बर को भी देखा जा सकेगा। विभाग ने अगले पांच दिनों के दौरान अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव न होने की संभावना जताई है।

****